

हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

- निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।
(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्नपत्र संख्या 4/1/1

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों से सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

भिक्षाटन की समस्या का निदान यद्यपि सरलता से प्राप्त नहीं होगा तथापि उसका निवारण अनिवार्य है। इसके लिए कानूनी रोक के साथ-साथ दूसरे उपाय भी करने पड़ेंगे। इस दिशा में सरकार और समाज दोनों को समान रूप में सचेष्ट होना पड़ेगा। कानून बना देना आसान है किन्तु इससे समस्या हल नहीं होगी। निराश्रित असहाय भिक्षुकों की आजीविका का प्रबंध भी करना होगा। देशभर में, विशेषतः महानगरों और तीर्थस्थलों में, भिक्षुकों के लिए ऐसे आवासगृह बनाने होंगे जहाँ वे रोटी और कपड़ा हासिल कर सकेंगे। स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक क्षमताशील लोगों के लिए औद्योगिक शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी पड़ेगी ताकि प्रशिक्षितों को यथाशीघ्र जीविकोपार्जन का सुयोग प्राप्त हो सके। प्रशिक्षितों के लिए आवास-निवास और आजीविका का प्रबंध करना पड़ेगा। देश की बेकारी दूर करने के लिए वृहद् योजना के आधार पर कार्य करना होगा ताकि बेकारी का यह सामाजिक-आर्थिक रोग सदा के लिए समाप्त हो जाय। कानून द्वारा रोक लगा देने पर छद्मवेशी तत्वों का अंत आसानी से हो जाएगा तथा इन्हें भी ईमानदारी और परिश्रम की जिंदगी बितानी पड़ेगी।

(क) भिक्षाटन की समस्या को रोकने के लिए किसे प्रयास करना होगा?

- (i) सरकार और समाज को
- (ii) उद्योगपतियों को
- (iii) भीख देने वालों को
- (iv) भीख माँगने वालों को

- (ख) भिक्षाटन रोकने के साथ-साथ क्या करना अपेक्षित है?
- भिक्षाटन करने वालों को सज़ा
 - भिक्षुकों की आजीविका का प्रबंध
 - भिक्षा देने वालों पर रोक
 - भिक्षुकों को निःशुल्क भोजन
- (ग) स्वस्थ भिक्षुकों के लिए क्या व्यवस्था चाहिए?
- समाज सेवा का प्रशिक्षण
 - रहने के लिए घरों का निर्माण
 - नौकरी की व्यवस्था
 - औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था
- (घ) भिक्षावृत्ति पर रोक का कानून बना देने से ही समस्या हल क्यों नहीं होगी :
- लोग कानून की परवाह नहीं करेंगे
 - उनकी बेरोज़गारी बनी रहेगी
 - वे छिपकर भीख माँगेंगे
 - कानून लागू करना असंभव होगा

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों से सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

नेहरू जी ने न केवल भारत, वरन् किन्हीं अर्थों में विश्व के राष्ट्रों को भी नेतृत्व प्रदान किया और युद्ध के भय से आतंकित विश्व को शांति का संदेश दिया। विश्व के बड़े से बड़े राष्ट्र उनके असाधारण व्यक्तित्व से प्रभावित थे। उन्होंने भारत के प्रधान मंत्री की हैसियत से अनेक राष्ट्रों की यात्राएँ कीं। विदेशों में उनका अभूतपूर्व स्वागत हुआ। विश्व के राजनीतिक दलदल से जिस कौशल के साथ भारत को बचाया उसे देखकर उनकी गणना विश्व के महान् राजनीतिज्ञों में होने लगी। अनेक कमज़ोर राष्ट्रों के लिए वे मसीहा बन गए। विश्वशांति के गंभीर प्रयासों के कारण उन्हें शांतिदूत कहा जाने लगा। बांडुंग सम्मेलन में पंचशील के माध्यम से शांति और मानवता का जो आदर्श नेहरूजी ने प्रतिष्ठित किया वह आज भी विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। समस्त विकासशील देशों के लिए वह संजीवनी शक्ति बन गया। भारत-सोवियत मैत्री जवाहरलाल जी की देन है जो भारत के नव-निर्माण और विश्वशांति की आधारशिला बनी।

नेहरू के जीवनकाल में भारत को कश्मीर समस्या तथा चीनी आक्रमण के संकट झेलने पड़े, जिनका समाधान आज भी पूर्णतः नहीं हो पाया है। लोकतांत्रिक भारत में नेहरू के बाद अनेक सरकारें आई और गई, पर नेहरू के द्वारा अपनाई गई विदेश नीति ही सामान्यतः हमारी मार्गदर्शक रही।

(क) नेहरू की गणना विश्व के महान् राजनीतिज्ञों में होने लगी, क्योंकि

- (i) वे भारत के प्रधान मंत्री थे
- (ii) उन्होंने भारत को राजनीतिक दलदल में नहीं पड़ने दिया
- (iii) उन्होंने शांति का संदेश दिया
- (iv) उन्होंने अनेक देशों की यात्राएँ कीं

(ख) नेहरू को शांतिदूत क्यों कहा जाता था?

- (i) उन्होंने ही शांति का प्रचार किया
- (ii) वे महात्मा गांधी के अनुयायी थे
- (iii) उन्होंने विश्वशांति के गंभीर प्रयास किए
- (iv) वे कमज़ोर राष्ट्रों के मसीहा माने जाते थे

(ग) नेहरू किस समस्या का समाधान नहीं ढूँढ़ पाए?

- (i) विश्वशांति की समस्या
- (ii) राजनीतिक दलदल से भारत को बचाने की समस्या
- (iii) भारत-सोवियत मैत्री निभाने की समस्या
- (iv) कश्मीर की समस्या

(घ) 'लोकतांत्रिक भारत' का अर्थ है :

- (i) भारत में प्रत्येक पाँच वर्षों में चुनाव होते हैं
- (ii) भारतीय अपने प्रतिनिधि चुनकर सरकार बनाते हैं
- (iii) भारत में तांत्रिक लोग अंधविश्वास फैला रहे हैं
- (iv) जनता ने नेहरू जैसे व्यक्ति को प्रधान मंत्री चुना

(ड.) नेहरू ने शांति का संदेश किसे दिया?

- (i) भारतीयों को
- (ii) विदेशियों को
- (iii) पाक और चीन को
- (iv) संपूर्ण विश्व को

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों से सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

जय-जय प्यारा, जग से न्यारा

शोभित सारा, देश हमारा,

जगत-मुकुट, जगदीश दुलारा -

जग सौभाग्य सुदेश! जय-जय प्यारा भारत देश!

स्वर्गिक शीश-फूल पृथ्वी का,

प्रेम-मूल, प्रिय सकल विश्व का,

सुललित प्रकृति नटी का टीका -

ज्यों निशि का राकेश! जय-जय प्यारा भारत देश!

कलरव-निरत कलोलिनि गंगा,

विविध वेश, भाषा हैं संगी,

इंद्रधनुष-सा रंग-बिरंगा -

तेज-पुंज तपवेश! जय-जय प्यारा भारत देश!

जागृत कोटि-कोटि जुग जीवे,

जीवन सुलभ अमी रस पीवे,

सुखद वितान सुकृत का सीवे-

रहे स्वतंत्र हमेश! जय-जय प्यारा भारत देश!

- (क) काव्यांश में 'जगदीश दुलारा' का क्या भाव है?
- (i) ईश्वर की रचना
 - (ii) ईश्वर के रहने का स्थान
 - (iii) ईश्वर का बेटा
 - (iv) ईश्वर को प्रिय
- (ख) भारत को इंद्र धनुष-सा रंग-बिरंगा कहा है, क्योंकि :
- (i) यहाँ की धरती हरी-भरी रहती है
 - (ii) यहाँ इंद्र धनुष दिखाई पड़ते हैं
 - (iii) यहाँ अनेक रंगों के रत्न और खनिज मिलते हैं
 - (iv) यहाँ अनेक प्रकार की वेश-भूषाएँ और भाषाएँ हैं
- (ग) किस पंक्ति में भारत को पृथ्वी का चंद्रमा कहा गया है?
- (i) स्वर्गिक शीश फूल पृथ्वी का
 - (ii) सुललित प्रकृति-नटी का टीका
 - (iii) ज्यों निशि का राकेश
 - (iv) प्रेम-मूल प्रिय लोकत्रयी का
- (घ) कवि ने 'कलरव निरत' विशेषण का प्रयोग किसके लिए किया है?
- (i) गंगा के लिए
 - (ii) पक्षियों के लिए
 - (iii) नदियों के लिए
 - (iv) हिमालय की चोटियों के लिए
- (ङ) कवि ने भारत के लिए कामना की है कि वह सदा -
- (i) सुखी रहे
 - (ii) स्वतंत्र रहे
 - (iii) धनी रहे
 - (iv) बना रहे

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों से सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

हमें चाहिए सुख न तनिक भी, दुख ही दुख ये प्राण सहें,
व्यथित हृदय में बस करुणा के, भाव-स्रोत ही सदा बहें।
घृणा नहीं हो हमें किसी से, सभी जनों से प्यार रहे,
कोलाहल-विहीन नित अपना सूना ही संसार रहे।
यदि जग हमसे रहे रुष्ट भी तो भी हमें न रोष रहे,
हो न महत्त्व-मनोरथ मन में, लघुता में संतोष रहे।
परम तृषाकुल इन नयनों में, पावन प्रेम-प्रवाह रहे,
केवल यही चाह है उर में, कभी न कोई चाह रहे।
कोई भी विपत्ति आ जाए, हृदय कभी भयभीत न हो,
कोई भी जीवन का संकट, संकट हमें प्रतीत न हो।
चाहे इस संसार-समर में, कभी हमारी जीत न हो,
किन्तु हृदय से दूर हमारे, यह जीवन-संगीत न हो।

(क) काव्यांश में दुख की चाह क्यों की गई है?

- (i) दुख के बाद सुख मिलेगा
- (ii) कोई उसे सुख नहीं देना चाहता
- (iii) दूसरों के दुःख बाँटे जा सकेंगे
- (iv) उसके व्यथित हृदय में करुणा की धारा बहेगी

(ख) 'कोलाहल-विहीन' का क्या तात्पर्य है?

- (i) शोर नहीं हो
- (ii) झगड़ा-झंझट न हो
- (iii) शांति बनी रहे
- (iv) सूनापन रहे

- (ग) मन में महत्व पाने की इच्छा क्यों नहीं है?
- (i) उसके पास बहुत अधिक धन है
 - (ii) वह बहुत विद्वान है
 - (iii) उसे लघुता में ही संतोष है
 - (iv) वह किसी की बराबरी नहीं करना चाहता
- (घ) काव्यांश में 'संकट हमें प्रतीत न हो' क्यों कहा गया है?
- (i) हममें संकट सहने की क्षमता है
 - (ii) हमारे हृदय में कोई भय नहीं है
 - (iii) हम बहुत संतोषी और उत्साही हैं
 - (iv) हम संकटों से घिरे हैं
- (ङ) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा :
- (i) दुख की कामना
 - (ii) प्यार की कामना
 - (iii) संकट की कामना
 - (iv) हमारी कामना

खंड ख

5. (i) "वे इस मास के अंत तक गाँव से वापस आएँगे।" उक्त वाक्य में रेखांकित पदबंध है :
- 1
- (क) संज्ञा
 - (ख) विशेषण
 - (ग) क्रियाविशेषण
 - (घ) क्रिया
- (ii) 'तुम रोज टहलने जाते हो' - में रेखांकित का पद-परिचय है :
- 1
- (क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

- (ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिङ्ग
- (ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, प्रथमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिङ्ग
- (घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिङ्ग
- (iii) “इस विद्यालय का सर्वाधिक बुद्धिमान विद्यार्थी आज नहीं आया।” उक्त वाक्य में संज्ञा पदबंध है : 1
- (क) इस विद्यालय का
- (ख) सर्वाधिक बुद्धिमान
- (ग) सर्वाधिक बुद्धिमान विद्यार्थी
- (घ) इस विद्यालय का सर्वाधिक बुद्धिमान विद्यार्थी
- (iv) ‘मोहन ने आज एक कविता पढ़ी’ वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है : 1
- (क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन
- (ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन
- (ग) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन
- (घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन
6. (i) “बादल धिरे हैं और बिजली चमक रही है।” रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है: 1
- (क) मिश्र वाक्य
- (ख) संयुक्त वाक्य
- (ग) जटिल वाक्य
- (घ) सरल वाक्य
- (ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है : 1
- (क) परिश्रमी व्यक्ति सफलता प्राप्त करते हैं।
- (ख) जो परिश्रम करते हैं वे सफलता प्राप्त करते हैं।
- (ग) व्यक्ति परिश्रम करते हैं और सफलता प्राप्त करते हैं।
- (घ) परिश्रम से सफलता प्राप्त करते हैं।

- (iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : 1
- (क) अयोध्या के राजा बड़े प्रतापी थे।
- (ख) जो अयोध्या के राजा थे, वे बड़े प्रतापी थे।
- (ग) वे अयोध्या के राजा थे और बड़े प्रतापी थे
- (घ) वे अयोध्या के राजा थे, इसलिए बड़े प्रतापी थे।
- (iv) “मैं पुस्तकालय जाता हूँ। विज्ञान की किताबें पढ़ता हूँ।” इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है : 1
- (क) जब मैं पुस्तकालय जाता हूँ तो विज्ञान की किताबें पढ़ता हूँ।
- (ख) मैं पुस्तकालय जाता हूँ, विज्ञान की किताबें पढ़ता हूँ।
- (ग) मैं पुस्तकालय जाता हूँ और विज्ञान की किताबें पढ़ता हूँ।
- (घ) मैं पुस्तकालय जाकर विज्ञान की किताबें पढ़ता हूँ।
7. (i) ‘अल्पाहार’ का संधि-विच्छेद है : 1
- (क) अल्पा + हार
- (ख) अल्प + आहार
- (ग) अल्पा + अहार
- (घ) अल् + पाहार
- (ii) ‘अभि + उदय’ की संधि है : 1
- (क) अभूदय
- (ख) अभ्यूदय
- (ग) अभ्युदय
- (घ) अभी उदय
- (iii) ‘कन्यादान’ समस्त पद का विग्रह है : 1
- (क) कन्या के लिए दान
- (ख) कन्या को दान

- (ग) कन्या से दान
- (घ) कन्या का दान
- (iv) 'घन के समान श्याम' का समस्त पद है : 1
- (क) घनाश्याम
- (ख) घनश्याम
- (ग) श्यामघन
- (घ) घने श्याम
8. (i) 'विपत्ति में उसकी अक्ल, उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : 1
- (क) खो जाना
- (ख) ठनक जाना
- (ग) चकरा जाना
- (घ) आगबबूला हो जाना
- (ii) 'उसकी बात पर भरोसा करो। वह तो को मानता है।' उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : 1
- (क) हाथ कंगन को आरसी क्या
- (ख) मन चंगा तो कठौती में गंगा
- (ग) अधजल गगरी छलकत जाए
- (घ) प्राण जाहिं पर वचन न जाई
- (iii) 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है - 1
- (क) अपनी तारीफ करना
- (ख) अपना काम बनाना
- (ग) अपनों को गैर समझना
- (घ) अपना नुकसान करना

- (iv) 'आग लगने पर कुआँ खोदना' मुहावरे का अर्थ है : 1
- (क) सारा काम बिगाड़ देना
- (ख) अपनी गलती महसूस करना
- (ग) संकट आने पर बचने का प्रयत्न करना
- (घ) दूसरों पर दोष मढ़ना
9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1
- (क) क्या आप खाना खाए हैं?
- (ख) क्या आपने खाना खा लिया है?
- (ग) क्या आप खाए हैं?
- (घ) क्या आपने खा चुके हैं?
- (ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1
- (क) मेरे बड़े भाई विदेश में रहते हैं।
- (ख) मैं वहाँ मीठा फल खाया हूँ
- (ग) आप मेरे साथ चलिए।
- (घ) मेरी दूकान बाज़ार में है।
- (iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1
- (क) चाय का एक गरम प्याला ले आओ।
- (ख) चाय का गरम प्याला ले आओ।
- (ग) गरम चाय का एक प्याला ले आओ।
- (घ) चाय का गरम एक प्याला ले आओ।
- (iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1
- (क) हमने यह काम करा।
- (ख) तुम उस दिन कहाँ गया?
- (ग) शिक्षक ने मुझे शाबाशी दिया।
- (घ) वह गला फाड़कर रोती रही।

खंड ग

10. किसी एक काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।

केवल इतना रखना अनुनय-

वहन कर सकूँ इसको निर्भय,

नत शिर होकर सुख के दिन में

तब मुख पहचानूँ छिन-छिन में,

दुख रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही

उस दिन ऐसा हो करुणामय

तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।।

(i) कवि क्या चाहता है?

(क) भार हलका करना

(ख) सांत्वना

(ग) निर्भीकता

(घ) भार वहन करने की शक्ति

(ii) 'नत शिर' का आशय है :

(क) झुककर

(ख) सिर ऊँचा करके

(ग) अहंकार से

(घ) विनम्रता से

(iii) दुखों से घिर जाने पर भी कवि क्या चाहता है?

(क) ईश्वर के प्रति अविश्वास

(ख) ईश्वर के प्रति संदेह

(ग) ईश्वर के प्रति कृतज्ञता

(घ) ईश्वर के प्रति शिकायत

(iv) “तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में” से कवि का क्या भाव है?

- (क) दुख के दिनों में पल-पल ईश्वर को याद करता रहूँ।
- (ख) विपत्ति आने पर पल-पल ईश्वर का मुँह ताकूँ।
- (ग) सुख के दिनों में भी सदा ईश्वर को याद करता रहूँ।
- (घ) सुख के दिनों में ईश्वर को भूल जाया करूँ।

(v) “करुणामय” का आशय है :

- (क) करुणापूर्ण
- (ख) करुणासहित
- (ग) करुणारहित
- (घ) करुणाकारी

अथवा

उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,

उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।

उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,

तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।

अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे,

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) कवि ने उदार किसे माना है?

- (क) जो बिना किसी स्वार्थ के परोपकार करता है
- (ख) जो दोनों हाथों से दान करता है
- (ग) जो सारे विश्व में अपनापन भर देता है
- (घ) जो किसी पर क्रोध नहीं करता

(ii) उदार व्यक्ति के प्रति पृथ्वी का क्या भाव रहता है?

- (क) घृणा और निंदा का
- (ख) कृतघ्नता और निन्दा का

- (ग) कृतज्ञता और आभार का
- (घ) सहनशीलता और क्षमा का
- (iii) 'सजीव कीर्ति कूजती' का आशय है :
 - (क) यश फैलता है
 - (ख) सम्मान होता है
 - (ग) कीर्ति चहचहाती है
 - (घ) कीर्ति सजीव हो जाती है
- (iv) 'सरस्वती बखानती' से तात्पर्य है :
 - (क) उदार व्यक्ति पूजा जाता है
 - (ख) वह यश और प्रसिद्धि पाता है
 - (ग) सरस्वती की पूजा करता है
 - (घ) उसकी कहानी बन जाती है
- (v) सच्चा मनुष्य किसे कहा गया है?
 - (क) जो मरने-मारने को उतारू हो जाता है
 - (ख) जो मनुष्य होकर भी मरने से नहीं डरता
 - (ग) जो मनुष्य के लिए बड़े से बड़ा त्याग करता है
 - (घ) जो मनुष्य-मनुष्य में भेद नहीं करता

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए :

2½ 2½ = 5

- (क) 'गिरगिट' कहानी में लेखक ने समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया है? आप अपने अनुभव के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
- (ख) समुद्र को गुस्सा क्यों आया? उसने अपना गुस्सा कैसे उतारा? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।
- (ग) 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए की जापानी लोगों को मानसिक बीमारियाँ अधिक क्यों होती हैं?
- (घ) वर्तमान समय में शाश्वत मूल्यों की क्या उपयोगिता है? 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए।

12. 'गिरगिट' कहानी के माध्यम से लेखक ने शासन के किस स्वरूप को उजागर किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

5

अथवा

वज़ीर अली ने अंग्रेजों की गुलामी क्यों नहीं स्वीकार की? उसकी किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं पर 'कारतूस' पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्य काल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

- (क) 'दोनों काल' से क्या तात्पर्य है? दोनों को मिथ्या क्यों कहा गया है? 2
- (ख) 'वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।' कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। 2
- (ग) हमारे सामने सत्य क्या है? 1

अथवा

किस्सा क्या हुआ था, उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यों तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उल्टा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेजों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूट कर भरी है। उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

- (क) अंग्रेजों ने किसको पद से हटाया और क्यों? 1
- (ख) वज़ीर अली ने वकील का काम तमाम क्यों कर दिया। 2
- (ग) वज़ीर अली की दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 2

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :
- (क) बिहारी ने एक दोहे में जगत को तपोवन-सा क्यों कहा है? 2
- (ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री दीपक को 'विहँस-विहँस' जलने के लिए क्यों कहती है? 2
- (ग) 'कर चले हम फ़िदा' - कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है? 1
15. 'सपनों के से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए कि स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को 'महत्वपूर्ण आदमी' फौजी जवान क्यों समझता था? 3

अथवा

टोपी शुक्ला इफ़न के परिवार से क्यों अधिक हिला-मिला था?

16. फारसी की घंटी बजते ही बच्चे डर से क्यों काँप उठते थे? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

खंड घ

17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5
- (क) हमारा राष्ट्रीय झंडा
- स्वरूप
 - राष्ट्रीय जीवन में महत्त्व
 - फहराने की मर्यादा
- (ख) हमारे त्योहार
- हर्ष और उल्लास के प्रतीक
 - उपयोगिता
 - लाभ और हानि
- (ग) पुस्तक मेला
- स्थान और व्यवस्था
 - मेले का स्वरूप
 - लाभ और महत्त्व

अथवा

बस में यात्रा करते समय आपका मोबाइल फोन गुम हो गया। अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को इसकी सूचना देते हुए पत्र लिखिए

प्रश्नपत्र संख्या 4/1**खंड — 'क'**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1x5 = 5

सामान्य पत्र-पत्रिकाओं से विद्यालय-पत्रिका की रूपरेखा कुछ भिन्न होती है। इसमें प्रकाशित होने वाली सामग्री की रचना मुख्यतः विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा ही की जाती है। अध्यापकों की कुछ रचनाएँ भी होती हैं। सम्पादक-मंडल द्वारा सम्पादकीय में पत्रिका के उद्देश्य तथा सामग्री से संबंधित विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला जाता है। प्रबंध-समिति के सचिव अथवा प्रधानाचार्य की ओर से अपने प्रकाशित वक्तव्य में विद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला जाता है। इसी लेख में भावी योजनाओं तथा, आवश्यकता हुई तो, अपनी सीमाओं की चर्चा करते हुए जन-सहयोग की कामना प्रकट की जाती है। प्रधानाचार्य अपने लेख में विद्यालय की शिक्षागत विशिष्टताओं की चर्चा करते हुए जहाँ एक ओर अध्यापक-बंधुओं तथा छात्रों के प्रति प्रेरणाप्रद शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर विद्यालय के अभिभावकों, हितैषियों तथा स्थानीय जनो के सहयोगार्थ उनके प्रति आभार ज्ञापित करते हैं। पत्रिका के अन्य स्तंभों में विभिन्न विषयों पर लेख, संस्मरण, रिपोर्ताज, कहानियाँ, कविताएँ, एकांकी नाटक, लघु कथाएँ, हास्य-व्यंग्य भरे चुटकुले, सूक्तियाँ तथा शिक्षा-जगत के विशिष्ट समाचार एवं सूचनाएँ प्रकाशित की जाती हैं। विद्यालय की उपलब्धियों पर सचित्र लेख भी छापे जाते हैं।

- (i) विद्यालय-पत्रिका की सामग्री अन्य पत्र-पत्रिकाओं से भिन्न होती है, क्योंकि

- (क) प्राचार्य द्वारा रचित होती है
- (ख) प्राचार्य और अध्यापकों द्वारा रचित होती है
- (ग) छात्र-छात्राओं द्वारा रचित होती है
- (घ) अध्यापकों की होती है

- (ii) विद्यालय-पत्रिका की सामग्री का विषय नहीं होगा

- (क) शिक्षा-जगत के समाचार

- (ख) विद्यालय की उपलब्धियाँ
- (ग) शेरों का उतार-चढ़ाव
- (घ) सहित्यिक रचनाएँ
- (iii) प्रधानाचार्य अपने लेख में चर्चा करते हैं
 - (क) प्रबंध-समिति के कार्यों की
 - (ख) अध्यापकों की कमियों की
 - (ग) विद्यार्थियों और अधिभावकों की
 - (घ) शिक्षागत विशिष्टताओं की
- (iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा
 - (क) वार्षिक पत्रिका
 - (ख) वार्षिक प्रगति-पत्रिका
 - (ग) विद्यालय का सूचना-पत्र
 - (घ) विद्यालय-पत्रिका
- (v) 'अपनी सीमाओं की चर्चा करते हुए'—यहां 'सीमाओं' के तात्पर्य है
 - (क) देश की भौगोलिक सीमाएँ
 - (ख) विद्यालय के चारों ओर की सीमाएँ
 - (ग) विद्यालय की साधन-सुविधाओं की सीमाएँ
 - (घ) सरकारी नियम-कानूनों की सीमाएँ

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

शहरी जीवन में समस्याएँ आए दिन पैदा होती रहती हैं जिनका शीघ्र समाधान न ढूँढ़ा जाए तो समाज में असुरक्षा तथा अन्याय-अनाचार की भावना प्रबल होती जाएगी। अतः पारिवारिक अदालतों की स्थापना का निर्णय अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इन अदालतों के सूझ-बूझ भरे फैसले किसी भी टूटते हुए परिवार की शांति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। इन अदालतों के मामले-मुकदमे तूल पकड़ने के पहले ही सुलझा दिए जाएँगे। आपसी विचार-विमर्श और समझौते का भाव प्रबल हो सकेगा तथा कानूनी दांव-पेंचों की दुर्दशा से

परिवारों की रक्षा हो सकेगी। न्यायालय के बढ़ते हुए खर्च से भी लोग राहत पा सकेंगे, साथ ही सरकारी न्यायालयों पर काम का बोझ कम हो सकेगा और आम जनताको समय पर न्याय मिल सकेगा।

पारिवारिक अदालतें विश्व के अनेक देशों में अच्छा काम कर रही हैं। ब्रिटेन, जापान, आस्ट्रेलिया आदि देशों में इन अदालतों ने समाज को काफी लाभ पहुँचाया है। भारत में अभी इनकी शुरुआत हुई है तथा इनकी सफलता के प्रति काफी आशाएँ हैं। भारत में पारिवारिक अदालतों की नितांत आवश्यकता है, क्योंकि इस देश की बहुसंख्यक जनता अशिक्षित, निर्धन तथा समस्याओं से ग्रस्त है।

(i) समाज में अनुसरक्षा, अन्याय, अनाचार के बढ़ने के कारण है

- (क) अशिक्षा और निर्धनता
- (ख) ऊँच-नीच का भेदभाव
- (ग) आए दिन पैदा होने वाली समस्याएँ
- (घ) धनी और ताकतवर लोगों का प्रभाव

(ii) पारिवारिक अदालतों के बारे में सच नहीं है

- (क) इनके फैसलों में अधिक समय नहीं लगता
- (ख) इनके मामले परिवार में ही निबटा दिए जाते हैं
- (ग) इनमें धन का व्यय कम होता है
- (घ) इनके फैसले टूटते परिवारों को जोड़ सकते हैं

(iii) इन अदालतों से कौन-सा भाव प्रबल हो सकेगा?

- (क) आपसी विचार-विमर्श और समझौते का
- (ख) कानूनी दाँव-पेंच का
- (ग) सरकारी न्यायालयों पर काम के दबाव का
- (घ) जनता की सहनशीलता का

(iv) 'तूल पकड़ना' मुहावरे का अर्थ है

- (क) बात फैल जाना

- (ख) बात बन जाना
- (ग) बात बिगड़ जाना
- (घ) बात बढ़ जाना
- (v) भारत में पारिवारिक अदालतों की नितांत आवश्यकता है क्योंकि
 - (क) अन्य न्यायालयों में काम कम होता है
 - (ख) समाज में समस्याएँ बहुत हैं
 - (ग) न्यायालयों में कानूनी दाँव-पेंच अधिक है
 - (घ) जनता अशिक्षित, निर्धन और समस्याग्रस्त है

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए: $1 \times 5 = 5$

दृढ़ निश्चय की हुई घोषणा, गूँज उठा जिससे जग सारा,
 है स्वतंत्र सब भारतवासी, भारतवर्ष स्वतंत्र हमारा।
 किसके आगे हाथ पसारें, कौन हमें है देने वाला,
 अपनी छिनी हुई आजादी भारत खुद ही लेने वाला
 हमने निज अधिकार-प्राप्ति के प्रण से पशु-बल को ललकारा।
 नर-नारी, बच्चे-बच्चे ने समझा, वह आजाद हुआ है
 मुक्ति-भावना से घर-घर में एक नया आह्लाद हुआ है,
 मिलने को स्वतंत्र देशों में हुआ उठ खड़ा भारत प्यारा।
 दृढ़ निश्चय के साथ हमारे हाथों में अब आजादी है
 टूटे बंधन, मिटी गुलामी, खत्म समझ लो बरबादी है
 नई जिंदगी, नया वतन अब, नए विचारों की है धारा।
 है स्वतंत्र सब भारतवासी भारतवर्ष स्वतंत्र हमारा।।

- (i) 'पशुबल को ललकारा' कथन का क्या तात्पर्य है?
 - (क) पशुओं को चुनौती दी
 - (ख) अंग्रेजों को चुनौती दी
 - (ग) अहिंसा का सहारा लिया
 - (घ) पराधीनता को हटाया

- (ii) संसार में गूँजने वाली घोषणा थी
- (क) प्रण से पशुबल को ललकारा
- (ख) भारतवर्ष स्वतंत्र हमारा
- (ग) नए विचारों की है धारा
- (घ) हुआ उठ खड़ा भारत प्यारा
- (iii) मुक्ति-भावना से तात्पर्य है
- (क) पराधीनता से मुक्ति
- (ख) उत्तरदायित्वों से मुक्ति
- (ग) अधिकारों से मुक्ति
- (घ) संसार से मुक्ति
- (iv) नए विचारों की धारा कब से बह रही है?
- (क) नई ज़िंदगी मिलने पर
- (ख) देश के विभाजन के बाद
- (ग) बंधन टूटने के बाद
- (घ) आजादी मिलने के बाद
- (v) कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा
- (क) हमारी आवाज
- (ख) देश की घोषणा
- (ग) पशुबल को चुनौती
- (घ) स्वतंत्रता का गीत

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1X5=5

समय के सभी साथ जीवन बदलते,
समय को बदलता हुआ तू चला चल।
कि भर आत्मविश्वास हर सांस में तू

उषा के लिए हास भर आस में तू
 उड़ा दे सभी त्रास उच्छ्वास में तू
 बदल दे नरक के सभी दृश्य पल में
 बना दे अमृत विश्व का सब हलाहल ।
 निराशा तिमिर में रुका ही नहीं तू
 न तूफानमें भी झुका है कभी तू
 जगत्-चित्र की तूलिका है सही तू
 तुझे विश्व मदिरा पिलाए भला क्या
 स्वयं विश्व को प्राण दे और जिया चल
 निशा में तुझे चाँद ने पथ दिखाया
 प्रलय-मेघ ने बिजलियों को बुलाया
 थके प्राण को सिंह का स्वर पिलाया
 धरा ने बिछा दिल, नगों ने उठा सिर
 बनाया तुझे, तू नया जग बना, चल ।

- (i) कविता किसे संबोधित है?
- (क) भारतीय युवा को
 - (ख) मजदूर को
 - (ग) आँधी-तूफान को
 - (घ) संपूर्ण विश्व को
- (ii) भारतीय वीरों को कैसे आगे बढ़ने को कहा गया है?
- (क) समय-असमय की चिंता न करते हुए
 - (ख) समय पर काम करते हुए
 - (ग) समय के साथ चलते हुए
 - (घ) समय को बदलते हुए
- (iii) 'उड़ा दे सभी त्रास उच्छ्वास में तू'—पंक्ति में आग्रह है
- (क) कष्टों को भूल जाने का
 - (ख) परेशानियों को दूर करने का

- (ग) निडरता का
(घ) डराने का
- (iv) प्राकृतिक शक्तियों ने भारतीय वीर का निर्माण किया है, इसलिए उसे
(क) नए विश्व का निर्माण करना चाहिए
(ख) आत्मविश्वास से भर जाना चाहिए
(ग) प्रकृति का धन्यवाद करना चाहिए
(घ) विष को अमृत बना देना चाहिए
- (v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा
(क) युवक
(ख) उत्साही वीर
(ग) वीर सेनानी
(घ) आत्मविश्वासी

खंड - ख

5. (i) ओचुमेलॉव मुड़ा और भीड़ की तरफ चल पड़ा। — रेखांकित पदबंध है
(क) संज्ञा
(ख) सर्वनाम
(ग) क्रिया-विशेषण
(घ) विशेषण
- (ii) “सदैव जल से भरी रहने वाली नदी यहाँ बहती है”—वाक्य में संज्ञा-पदबंध है
(क) सदैव जल से
(ख) भरी रहने वाली
(ग) जल से भी रहने वाली
(घ) जल से भरी रहने वाली नदी

- (iii) राजेश ने आज ही पिताजी को पत्र लिखा—वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है 1
- (क) संज्ञा भाववाचक, पुल्लिङ्ग, बहुवचन
- (ख) संज्ञा व्यक्तिवाचक, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (ग) संज्ञा जातिवाचक, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (घ) संज्ञा व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन
- (iv) “हम इसी शहर में रहते हैं”—वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है 1
- (क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, बहुवचन
- (ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, प्रथम पुरुष, बहुवचन
- (ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन
- (घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन
6. (i) “मजदूर आए है और अपना काम कर रहे है”—वाक्य-रचना की दृष्टि से है 1
- (क) संयुक्त वाक्य
- (ख) मिश्र वाक्य
- (ग) सरल वाक्य
- (घ) जटिल वाक्य
- (ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : 1
- (क) इससे किताब वापस आ गई।
- (ख) वह किताब जो मैंने उसे दी थी, वापस आ गई।
- (ग) मैंने उसे किताब दी थी और वह वापस आ गई।
- (घ) मैंने उसे किताब दी थी परंतु उसने वापस कर दी।
- (iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है: 1
- (क) यह बाजार से फल खरीद लाया।
- (ख) यह बाजार गया और फल खरीद लाया।

- (ग) यह बाजार फल खरीदने गया।
- (घ) यह बाजार जाकर फल खरीद सका।
- (iv) “शिक्षक कक्षा से निकले। छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया”—इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है 1
- (क) शिक्षक कक्षा से निकले और छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया।
- (ख) कक्षा से शिक्षक के निकलते ही छात्रों ने खेलना शुरू किया।
- (ग) ज्योंही शिक्षक कक्षा से निकले, छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया।
- (घ) शिक्षक कक्षा से निकले परंतु छात्रों ने खेलना शुरू कर दिया।
7. (i) ‘अत्याचार’ का संधि-विच्छेद है 1
- (क) अत्या + आचार
- (ख) अति + आचार
- (ग) अत्य + आचार
- (घ) अत्या + चार
- (ii) ‘चरण + अमृत’ की संधि है 1
- (क) चरणामृत
- (ख) चरणमृत
- (ग) चर्णामृत
- (घ) चरणाम्रित
- (iii) ‘द्वारकाधीश’ समस्त पद का विग्रह है 1
- (क) द्वारका में अधीश
- (ख) द्वारका को अधीश
- (ग) द्वारका का अधीश
- (घ) द्वारका के लिए अधीश

- (iv) 'पीत है जो अम्बर' का समस्त पद है 1
- (क) पीतम्बर
- (ख) पीताम्बर
- (ग) पिताम्बर
- (घ) पीला अंबर
8. (i) “पढ़-लिखकर वह अपने — हो सकता है।” उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए— 1
- (क) आँखों से देखना
- (ख) आगबबूला होना
- (ग) आँखें लाल होना
- (घ) पैरों पर खड़ा होना
- (ii) “वास्तव में उस आदमी की रामकहानी बड़ी दर्दनाक है। विश्वास न हो तो उसी से पूछ लीजिए। कहा भी है।” उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए— 1
- (क) आम के आम गुठलियों के दाम
- (ख) नेकी कर कुँ में डाल
- (ग) अपना हाथ जगन्नाथ
- (घ) हाथ कंगन को आरसी क्या
- (iii) ‘अँगूठा दिखाना’ मुहावरे का अर्थ है 1
- (क) धोखा खाना
- (ख) अपनी तारीफ़ करना
- (ग) मना कर देना
- (घ) हार मानना

- (iv) 'अधजल गगरी छलकत जाय' लोकोक्ति का अर्थ है 1
- (क) बकवास करना
- (ख) सारा काम बिगाड़ देना
- (ग) सामने न आना
- (घ) थोड़ी-सी प्राप्ति पर घमंड होना
9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1
- (क) लाल फूलों का गुच्छा ले आइए।
- (ख) फूलों का लाल गुच्छा ले आइए।
- (ग) गुच्छा लाल फूलों का ले आइए।
- (घ) लाल गुच्छे में फूल ले आइए।
- (ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1
- (क) हमने उसे देखना है।
- (ख) हम उसे देखे हैं।
- (ग) हमने उसे देखा।
- (घ) हम उसे देखा हूँ।
- (iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1
- (क) मुझे आज यहीं रहना है।
- (ख) तुम अब कहाँ जाओगे?
- (ग) मेरे पिताजी आने वाले हैं।
- (घ) मेरे को क्यों नहीं बताया?
- (iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है: 1
- (क) कृपया करके आप यहाँ से चले जाइए।
- (ख) कृपया आप यहाँ से चले जाइए।

(ग) आप कृपा करके चले जाओ।

(घ) कृपा करके आप जाओ।

खंड ग

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर,

जान देने की रूत रोज़ आती नहीं

हुस्न और इश्क दोनों को रुसवा करे

वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं

आज धरती बनी है दुलहन, साथियो

अब, तुम्हारे हवाले वतन, साथियो।

- (i) 'साथियो' किन्हें कहा गया है?

(क) भारतीयों को

(ख) वीर सैनिकों को

(ग) सहपाठियों को

(घ) नेताओं को

- (ii) किसके लिए जान देने की ऋतु रोज़ नहीं आती?

(क) प्यार के लिए

(ख) मित्र के लिए

(ग) देश के लिए

(घ) धर्म के लिए

- (iii) बलिदान न देने वाला यौवन किन्हें बदनाम करता है?

(क) पुरुष और नारी को

(ख) सुन्दरता और प्रेम को

- (ग) आलसी और मेहनती को
- (घ) दुष्टता और सज्जनता को
- (iv) कैसी जवानी को व्यर्थ माना जाता है?
 - (क) जो अपनी बहादुरी दूसरों को न दिखाए
 - (ख) जो दूसरों को न सताए
 - (ग) जो ज़बर्दस्ती किसी का धन न छीने
 - (घ) जो देश के लिए खून न बहाए
- (v) धरती क्या बनी हुई है?
 - (क) उदास औरत
 - (ख) नवेली दुलहन
 - (ग) पानी से भरी नदी
 - (घ) सैनिकों की माँ

अथवा

चलो अभीष्ट मार्ग से सहर्ष खेलते हुए,
 विपत्ति, विघ्न जो पड़ें, उन्हें ढकेलते हुए।
 घटे न हेलमेल हों, बढ़े न भिन्नता कभी,
 अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी
 तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे
 वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

- (i) अभीष्ट मार्ग क्या है?
 - (क) जीवन जीने का मार्ग
 - (ख) कार्यालय आने-जाने का मार्ग
 - (ग) गाँव को शहर से जोड़ने वाला मार्ग
 - (घ) सहर्ष खेलने का मार्ग

- (ii) विघ्न-बाधाएँ आने पर क्या करना चाहिए?
- (क) काम शुरू नहीं करना चाहिए
 - (ख) उन्हें दूर करना चाहिए
 - (ग) काम रोक देना चाहिए
 - (घ) उलझना नहीं चाहिए
- (iii) 'भिन्नता न बढ़े' का आशय है
- (क) मतभेद कम हों
 - (ख) मतभेदों से भिन्नता हो
 - (ग) मत-भिन्नता हो
 - (घ) भेदभाव भिन्न हों
- (iv) समर्थ भाव क्या है?
- (क) दूसरों को सफलता दिलाकर अपनी शक्ति का परिचय
 - (ख) दूसरों की सफलता का प्रयास
 - (ग) दूसरों को सफल करते हुए अपनी चिन्ता न करें
 - (घ) दूसरों को सफल करते हुए स्वयं सफल हों
- (v) सच्चा मानव कौन है?
- (क) जो अपनी भलाई करे
 - (ख) जो दूसरों की भलाई में अपना हित समझे
 - (ग) जो दूसरों के लिए प्राण भी दे सके
 - (घ) जो दूसरों की भलाई तन-मन-धन से करे

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए :

$2\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2} = 5$

- (क) 'झेन की देन' के आधार पर लिखिए कि चाय पीने के बाद लेखक ने क्या परिवर्तन महसूस किया।

- (ख) 'गिरगिट' कहानी के आधार पर बताइए कि इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव ने कितनी बार और कैसे अपनी बात बदली।
- (ग) कर्नल अवध के तख्त पर सआदत अली को क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।
- (घ) "इस धरती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है।" 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आलोक में प्रकृति से हो रही छेड़छाड़ पर अपने विचार लिखिए।
12. "अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले" पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक की माँ ने प्रायश्चित्त क्यों किया और कैसे किया?

5

अथवा

यह जानने पर भी कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है, ओचुमेलॉव के विचारों में क्या परिवर्तन आया और क्यों? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर लिखिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यो से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं? खुद ऊपर चढ़ें और अपने दूसरों को भी ऊपर ले चलें यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

- (क) व्यवहारवादी लोगों की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं? 2
- (ख) महत्त्व की बात क्या है? 1
- (ग) समाज को आदर्शवादी लोगों की क्या देन है? 2

अथवा

हमारे जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं, तब अपने आप से लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे। एक महीने से पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग़ की रफ़्तार हमेशा तेज़ ही रहती है।

उसे 'स्पीड' को इंजन लगाने पर वह हजार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है। फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग़ का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है। यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँ बढ़ गए हैं।

- | | | |
|---------|---|---|
| (क) | जीवन की रफ़्तार बढ़ने से लेखक का क्या आशय है? | 2 |
| (ख) | जापानियों के दिमाग़ में स्पीड का इंजन लगाने की बात क्यों कही गई है? | 2 |
| (ग) | जापान में मानसिक रोग क्यों बढ़ने लगे हैं? | 1 |
| 14. (क) | सबकी उपस्थिति में नायक-नायिका के बातें करने का वर्णन बिहारी ने किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए। | 2 |
| (ख) | 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता के माध्यम से कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाह रही है और क्यों? | 1 |
| (ग) | "आत्मत्राण" कविता क्या संदेश देती है? | 2 |
| 15. | 'सपनों के-से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए कि लेखक को स्कूल जाने और नई कक्षा में पढ़ने की कोई खुशी क्यों नहीं होती थी? उन्हें कब और क्यों स्कूल जाना अच्छा लगता था? | 3 |

अथवा

'सपनों के-से दिन' कहानी के आधार पर मास्टर प्रीतम चंद के व्यवहार की उन बातों का उल्लेख कीजिए जिनके कारण विद्यार्थी उनसे नफ़रत करते थे।

- | | | |
|-----|--|---|
| 16. | 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घर वालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों? | 2 |
|-----|--|---|

खंड घ

- | | | |
|-----|---|---|
| 17. | दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : | 5 |
| (क) | ग्रामीण जीवन और भारत | |
| | ● गाँव और शहर | |
| | ● दोनों प्रकार के जीवन में भेद | |
| | ● सुविधा, असुविधा | |

(ख) विद्यालय का वार्षिकोत्सव

- तैयारी एवं प्रस्तुति
- विभिन्न कार्यक्रम
- प्रगति की झाँकी

(ग) बेरोज़गारी और आज का युवा वर्ग

- समस्या का स्वरूप
- बेरोज़गारी की कारण
- दूर करने के उपाय

18. विद्यालय में लगी विज्ञान-प्रदर्शनी के बारे में अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए।

5

अथवा

आपको विद्यालय जाने के लिए जाने-आने की सीधी बस-सेवा उपलब्ध नहीं है। अपने क्षेत्र के परिवहन-अधिकारी को एक नई बस-सेवा चालू करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।